

तान् लहे सर्वानवस्थितान् 2171. 3, 1364. HARIY. 6735. 6737. 6743. प्राण-
गल्हो जयं समर इक्षतः BHĀG. P. 6, 12, 17. *Kampfspreis* (der *Kampf* selbst
wird häufig als *Würfelspiel* dargestellt), *derjenige auf den man im*
Kampfe es abgesehen hat: तावकानां रणे कर्णो गल्हो ह्यासीत् MBh. 8,
4402. 6, 5331. 7, 5331. — c) *Würfel*: अग्रासी सौवलः कृत्त गल्हान् ज्ञा-
नातु वै शरान् MBh. 8, 3763. — d) *Würfelbecher*: गल्हान्धनं धि मे विद्धि
शरान्तोश्च MBh. 2, 1968. — e) *Würfelwurf, Würfelspiel*: गल्हं कृतानि
कृत्वानाम् AV. 4, 38, 1. fg. JĀṆ. 2, 199. इमां सभामध्ये यो व्यदेवीद्भेदेषु MBh.
2, 2384. मिथ्यागल्हं निर्जिता वै नृशतैः 5, 1898. तथैवं विधया — पाद्या-
त्याहं सुमध्याया । गल्हं दीव्यामि *würfeln um* 2, 2179. *Wettstreit, Wette*
3, 10652. DAṢAK. 70, 1. — 2) f. गल्हो (?) AV. 6, 22, 3.

गल्हन (wie eben) n. *das Würfeln, Werfen der Würfel*: यो नौ युवे
धनमिदं चकार यो अन्ताणां गल्हनं शेषेण च AV. 7, 109, 5.

गला (ग्लै), ग्लायति (ep. auch med.; ग्लति MBh. 3, 13730. 13, 7365;
vgl. गाति st. गायति) Dhātup. 22, 7; ग्लौ P. 7, 4, 60, Sch. Vop. 8, 82. ग-
ग्लिथ und गलाथ 83. ग्लौ P. 6, 1, 45, Sch.; ग्लास्यति; ग्लाना; अग्ला-
सीत्; prec. ग्लायत्, ग्लेयात्, ग्लासीष्ट P. 6, 4, 68, Sch. Vop. 8, 84. ग्लानं
P. 8, 2, 43, Sch. Vop. 26, 88, 89. 1) *einen Widerwillen —, Unlust —, Un-*
behagen empfinden an, — gegen Etwas, verdrossen sein zu (= कृष्यति
Dhātup.); mit dem dat. oder inf. (P. 3, 4, 65): सामि ह्यस्मै स ग्लायति
Çat. Br. 2, 3, 3, 4. ययु अयवायनाय ग्लायित् *wenn es ihm zu viel ist*
(mit dem Opferfeiler) an's Wasser zu gehen 3, 8, 5, 10. KĀṬ. Çr. 6, 10, 4.
LĀṬ. 2, 4, 9. 8, 16. संवत्सरभूताय Çat. Br. 9, 5, 4, 64. ग्लायति भोक्तुम् P.
3, 4, 65, Sch. श्रुत्वा स्पृष्ट्वा च दृष्ट्वा च भुक्त्वा च घ्रात्वा च यो नरः । न कृष्यति
ग्लायति वा स विज्ञेयो जितेन्द्रियः ॥ M. 2, 98. प्रहृष्टं प्रेतते स्कन्दं न च
ग्लायति दर्शनात् MBh. 3, 14541. स कर्म कुरु मा ग्लासीः कर्मणा 1210.
मा ग्लायेत च कृदप्यम् 12, 1940. अग्लासीत् (so die Scholiasten st. अग्ला-
सीत्) स्मरन्निर्धयं मेधित्याः BHĀṬ. 6, 12, 16, 31. स एषो जनको राजा दुर्व-
तमपि चेतसुतम् । दण्डं दण्डे निक्षिपति तथा न ग्लति धार्मिकम् ॥ MBh.
3, 13730. Ist hier etwa धार्मिकः zu lesen, oder ist ग्लति als imperson.
wie *taedet* aufzufassen? *contristare* WEST., indem er धार्मिकम् und द-
ण्डम् in Gegensatz bringt. ग्लान Çat. Br. 1, 2, 5, 8. ग्लान्तमनम् MBh.
13, 132. — 2) *sich erschöpft fühlen, von Kräften kommen, abnehmen,*
schwinden: वद्धो ग्लौ ग्लायति ÇĀNTIC. 2, 27. सावित्र्या ग्लायमानायास्तिस्र-
त्यास्तु दिवानिशम् MBh. 3, 16713. ग्लायतम् — रामवाणपीडितम् 5, 7178.
ब्रणवेदनया ग्लायन्ममार BHĀṬ. 6, 43. इन्द्रियैर्वर्धमानैर्ग्लायद्भिर्वा MBh. 12,
7513. यथास्य धर्मो न ग्लायत् 4744. यदा धर्मो ग्लति 13, 7365. ग्लान *er-*
schöpft, von Kräften gekommen MBh. 3, 14109. 12, 13216. शरार्दिता ग्ला-
नाश्च ह्याः 7, 3701. वृत्ति° 13, 3131. 3519. 3593. तपो° R. 3, 39, 30. मदन-
ग्लाना v. l. für मदनक्षिष्टा ÇĀK. 58. ग्लान = ग्लान् AK. 2, 6, 2, 9. krank
H. 459. RĪĀN. im ÇKDr. n. *Erschöpfung* MBh. 13, 3519. VARĀH. BRH. S.
77, 12. *Krankheit* VJUP. 137. 141. — caus. ग्लाययति (mit Präpp. nur die-
ses) und ग्लययति Dhātup. 19, 68. Vop. 18, 23. *in ein Unbehagen versetzen,*
erschöpfen, mitnehmen, Jmd zusetzen; in Verfall kommen lassen: मनो
ग्लययते तीव्रं विषं गन्धेन सर्वशः MBh. 13, 4694. अनङ्गग्लयित 1, 7795.
व्रतेन गात्रं ग्लययसि Vikr. 54. (दीर्घशोकः) ग्लययति परिपाण्डु तामम-
स्याः शरीरं शरदिश इव धर्मः केतकीपत्रगर्भम् SĪH. D. 74, 9. ग्लययति यथा
शशाङ्कं न तथा हि कुमुदतो दिवसः ÇĀK. 65. निदाघग्लयितामिवोर्विम्

RAGH. 16, 38. बालस्य लक्ष्मीं ग्लययतमिन्दोः KUMĀRAS. 3, 49. पतंगैर्ग्लयि-
ता वयम् BHĀṬ. 6, 77. ग्लयितरसातलसंभूतान्धकार 10, 52. पञ्च वैराणि
कोषं च सकृदप्युमाञ्जलिपः 15, 18. मानाश्चो ग्लययति VARĀH. BRH. S. 104,
8. मनस् *sich betrüben über Etwas*: मेधावी न तत्र ग्लययेन्नः MBh. 5,
1100. 3, 12421. mit Weglassung von मनस् dass.: तेन च न ग्लयेत् (sic)
5, 1650. (कुमारः) न नामयति (die Glieder) न रुदति — न ग्लाययति Pān.
GṚH. 1, 16. *krankt nicht nach* STENZLER in Z. d. d. m. G. 7, 332.

— अव caus.: नेमव ग्लाययति (Padap.: ग्लय°, AV.: ग्लाययत्) RV.
1, 164, 10. Nach SĀJ. *müde machen* (weil er इम् = एनम् fasst), nach dem
Zusammenhange eher *genug bekommen, müde werden*. — Vgl. अनव-
ग्लायत्.

— परि, partic. परिग्लान *einen Widerwillen gegen Etwas* (dat.) *em-*
pfindend P. 3, 2, 18, VArtt. 7. अध्ययनाय Sch. *erschöpft, mitgenommen*
N. 11, 24. MBh. 14, 2275. R. 5, 18, 6. लुत्पिपासा° MBh. 7, 8898. BHĀṬ.
7, 84. वर्षातपरिग्लानौ पृथगिन्द्रधजाविव R. 2, 77, 25.

— अभिपरि, partic. अभिपरिग्लान *erschöpft, mitgenommen*: लुच्छ्रमा-
भिपरिग्लान MBh. 1, 4489.

— प्र dahinschwinden, verwelken: प्रग्लायति (Sch.: प्रग्लायति) BHĀṬ.
6, 13. — caus. प्रग्लाययति Vop. 18, 23.

— वि caus. betrüben: (तत्) नो विग्लाययति BHĀG. P. 3, 2, 22.

ग्लतर (von ग्लौ) nom. ag. *erschöpft* ÇKDr.

ग्लानि (wie eben) f. U. n. 4, 52. ग्लानि° P. 3, 3, 95, VArtt. 2. Vop. 26, 184.
Verdrossenheit, Entmuthigung, Niedergedrücktheit, Erschlaffung, Erschö-
pfung; Abnahme H. 319. रत्यायासमनस्तापलुत्पिपासादिसंभवा । ग्लानि-
निष्प्राणताकम्पकार्ष्णानुत्साहतादिकृत् ॥ SĪH. D. 200. 169. तेजसा विप्रहो-
नश्च ग्लानिश्चैनं समाविशत् MBh. 1, 8142. 3, 10860. 5, 2762. 7, 1968. ARĀ. 4,
48. R. 4, 60, 14. 5, 9, 3. Suçr. 1, 51, 7. 86, 10. °कर 124, 2. अमग्लानिकृ
229, 9. वक्त्रे मधुरता तन्ना कृदयेद्विष्टं धमः । न चात्रमभिकाङ्क्षते ग्लानिं
तस्य विनिर्दिशत् Uebelkeit 332, 3. 2, 224, 1. 404, 21. BHĀG. P. 5, 24, 13. मुदं च
ग्लानिं च BHĀṬ. 1, 45. तवाधना (SĀV. 5, 27: अधनि) ग्लानिमिवोपलतये
MBh. 3, 16775. सुरत° MEGH. 32. AMAR. 58. झङ्ग° ÇĀNTIC. 4, 4. MEGH. 71.
मनश्च ग्लानिमृच्छति M. 1, 53. कोषबल° MBh. 12, 4750. धर्मस्य BHĀG. 4, 7.
ग्लान्य (von ग्लान, s. u. ग्लौ) n. *Abnahme der Kräfte* SADDH. P. 4,
22, b.

ग्लाव (von ग्लौ) m. N. pr. eines Mannes mit dem metron. मैत्रेय
KĀND. Up. 1, 12, 1. PAÑĀV. Br. 25, 15 in Ind. St. 1, 33. SHADV. Br. 1, 4
ebend. 38.

ग्लौचिन् (wie eben) adj. *verdrossen, thatlos* VS. 30, 17.

ग्लौह्नु (wie eben) adj. *schlaff, welk* P. 3, 2, 139. Vop. 26, 144. AK. 2,
6, 2, 9. krank H. 459.

ग्लुच्, ग्लौचति Dhātup. 7, 18; अग्लुच्त् oder अग्लौचीत् P. 3, 1, 58.
Vop. 8, 38. 58. *stehlen, rauben* Dhātup. बहूनामग्लुचत्प्राणानग्लौचीच्च
रणे यशः BHĀṬ. 13, 30. *gehen* Dhātup. v. l. — Vgl. ग्लुच्.

ग्लुचुक (von ग्लुच्) m. N. pr. eines Mannes; davon patron. ग्लुचुका-
यनि P. 4, 1, 160, Sch. 3, 99, Sch. — Vgl. ग्लौचुकायनक.

ग्लुच्, ग्लुच्चति *gehen* Dhātup. 7, 21. aor. अग्लुच्त् und अग्लुचीत् P.
3, 1, 58. Vop. 8, 38. 58. Uebergang des च in क Siddh. K. zu P. 7, 3, 59.

ग्लेप्, ग्लेपते *elend sein; zittern; sich bewegen* Dhātup. 10, 5, 8.